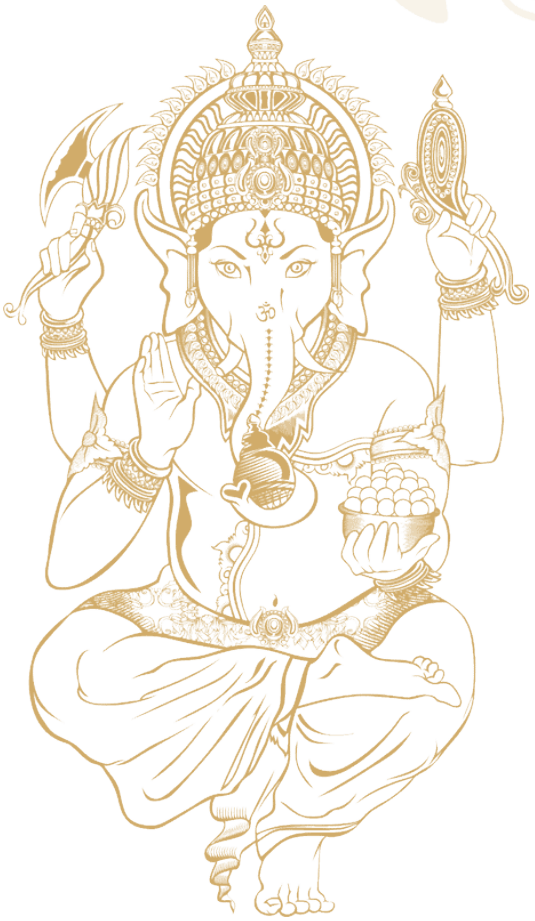

????? ??????

27 Jul 1997

05:05 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 121467502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26-27/07/1997**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:05:00 घंटे**
इष्ट	59:03:05 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:58:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	01:17:23 घंटे
सूर्योदय	05:27:45 घंटे
सूर्यास्त	18:57:38 घंटे
दिनमान	13:29:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	10:10:10 कर्क
लग्न के अंश	04:20:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	04:20:25	310:08:04	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			कर्क	10:10:10	00:57:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	12:53:42	13:42:41	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	25:17:33	00:34:07	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	06:07:04	01:16:53	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	24:54:37	00:07:18	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	10:18:22	01:12:11	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:30:35	00:00:36	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:00:52	00:00:09	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:00:52	00:00:09	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:59:13	00:02:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:35:31	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:05:16	00:00:34	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	27:06:57	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:22

लग्न-चलित

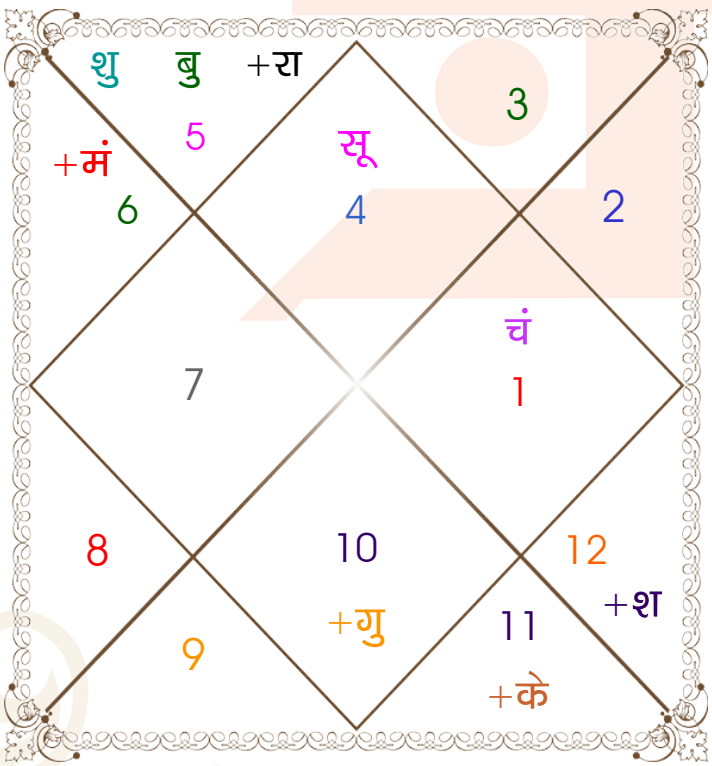

चन्द्र कुंडली

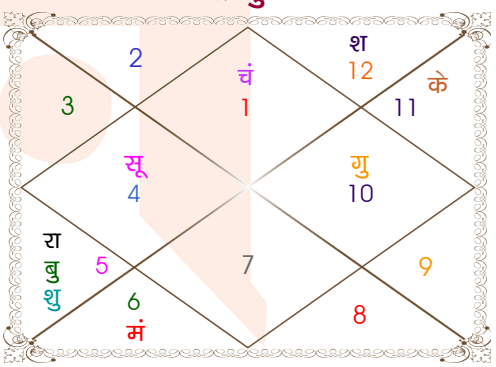

नवमांश कुंडली

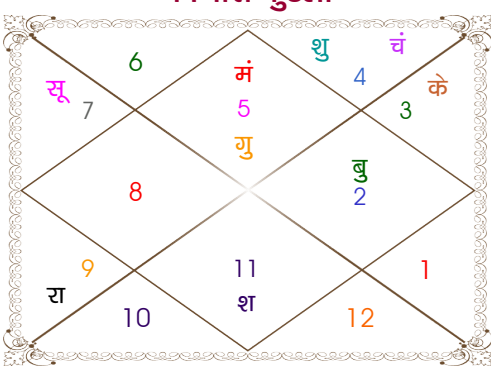

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 2 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/07/1997		19/10/1997		19/10/2017		19/10/2023		19/10/2033	
19/10/1997		19/10/2017		19/10/2023		19/10/2033		19/10/2040	
	00/00/0000	शुक्र	17/02/2001	सूर्य	05/02/2018	चंद्र	19/08/2024	मंगल	17/03/2034
	00/00/0000	सूर्य	18/02/2002	चंद्र	07/08/2018	मंगल	20/03/2025	राहु	04/04/2035
	00/00/0000	चंद्र	19/10/2003	मंगल	13/12/2018	राहु	19/09/2026	गुरु	10/03/2036
	00/00/0000	मंगल	18/12/2004	राहु	07/11/2019	गुरु	19/01/2028	शनि	19/04/2037
	00/00/0000	राहु	19/12/2007	गुरु	25/08/2020	शनि	19/08/2029	बुध	16/04/2038
	00/00/0000	गुरु	19/08/2010	शनि	07/08/2021	बुध	18/01/2031	केतु	13/09/2038
	00/00/0000	शनि	19/10/2013	बुध	13/06/2022	केतु	19/08/2031	शुक्र	13/11/2039
	27/07/1997	बुध	19/08/2016	केतु	19/10/2022	शुक्र	19/04/2033	सूर्य	19/03/2040
बुध	19/10/1997	केतु	19/10/2017	शुक्र	19/10/2023	सूर्य	19/10/2033	चंद्र	19/10/2040

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/10/2040		19/10/2058		19/10/2074		19/10/2093		20/10/2110	
19/10/2058		19/10/2074		19/10/2093		20/10/2110		28/07/2117	
राहु	02/07/2043	गुरु	06/12/2060	शनि	22/10/2077	बुध	16/03/2096	केतु	18/03/2111
गुरु	24/11/2045	शनि	20/06/2063	बुध	01/07/2080	केतु	14/03/2097	शुक्र	17/05/2112
शनि	30/09/2048	बुध	24/09/2065	केतु	10/08/2081	शुक्र	13/01/2100	सूर्य	22/09/2112
बुध	20/04/2051	केतु	31/08/2066	शुक्र	09/10/2084	सूर्य	19/11/2100	चंद्र	23/04/2113
केतु	07/05/2052	शुक्र	01/05/2069	सूर्य	21/09/2085	चंद्र	20/04/2102	मंगल	19/09/2113
शुक्र	08/05/2055	सूर्य	18/02/2070	चंद्र	23/04/2087	मंगल	18/04/2103	राहु	08/10/2114
सूर्य	01/04/2056	चंद्र	20/06/2071	मंगल	01/06/2088	राहु	04/11/2105	गुरु	14/09/2115
चंद्र	01/10/2057	मंगल	25/05/2072	राहु	07/04/2091	गुरु	10/02/2108	शनि	23/10/2116
मंगल	19/10/2058	राहु	19/10/2074	गुरु	19/10/2093	शनि	20/10/2110	बुध	28/07/2117

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 2 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।